मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha36 5@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2024-26 /R.N.I. No. 2022007062

दलालों से मिलीभगत करने वाले कर्मचारियों पर पीएमओ मेहरबान 2
स्कूलों में पढ़ाई की व्यवस्था नहीं तो छात्र काहे को आएंगे 4
पनौती पनौती 5
मप्र : क्या राजनीतिक परिवर्तन सामाजिक बदलाव की राह खोलेगा ? 6
बल्लबगढ़ नगर निगम को चला रहा ट्यूबवेल सहायक 8

वर्ष 38 | अंक -02 | फरीदाबाद 26 नवम्बर-2 दिसम्बर 2023 | फोन-8851091460 | 5.00 ₹

किशन के लिए राजेश बने 'विपुल' समस्या

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) खुद को अजेय मानने वाले केंद्रीय राज्यमंत्री किशन पाल गूजर का जादू भी मोदी की तरह जनता के जहन से उतरता जा रहा है। पूरे संसदीय क्षेत्र में केवल अपने गांव और सजातीयों का विकास कराने के कारण जनता में उनकी छवि फरीदाबाद के सांसद से ज्यादा गूजर सांसद और लूटमार, कब्जे अवैध प्लॉटिंग, अवैध निर्माण आदि कराने वाले वाले धंधेबाज नेता की बन चुकी है।

सत्ता के बल पर जिन लोगों का राजनीतिक कॅरियर खत्म करने के लिए किशनपाल ने अपने रसूख का इस्तेमाल किया था, जनता में छवि कमजोर होने पर अब वही लोग उनके लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल तो पहले ही लोकसभा चुनाव की ताल ठोंक रहे हैं। नितिन गडकरी और अमित शाह के करीबी होने के कारण गोयल लोकसभा चुनाव की तैयारी में जोर शोर से जुटे हैं। इधर तिगांव विधायक राजेश नागर ने भी फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम शुरू किया है। भाजपा के जानकारों के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राजेश नागर को फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में जन संवाद कार्यक्रम करने को कहा है। इसी आधार पर राजेश नागर भी खुद को सांसद पद का दावेदार बताते घूम रहे हैं। बीते सप्ताह उन्होंने बड़खल विधायक सीमा त्रिखा के साथ जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के निर्देश पर हो रहा था इसलिए किशन पाल गूजर की खास सीमा त्रिखा कार्यक्रम में शामिल हुई लेकिन उसे सफल बनाने के कोई खास प्रयास उनकी ओर से नहीं किए गए। नतीजा वही हुआ कि कार्यक्रम तो हुआ लेकिन संवाद के लिए पर्याप्त जनता नहीं पहुंची। विधायक राजेश नागर ने भी सबसे पहले बड़खल विधानसभा क्षेत्र को ही चुन कर एक तीर से दो निशाने साधे। यदि कार्यक्रम सफल होता तो दूसरी विधानसभा में भी जनसमर्थन मिलने की बात पर सांसद कंडीडेट होने का उनका दावा मजबूत होता। कार्यक्रम

विपुल गोयल | किशन पाल गूजर | राजेश नागर

सामान्य रहने पर बड़खल में विधायक सीमा त्रिखा के घटते जनाधार की आड़ में किशन पाल गूजर को सवालों के घेरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बहाने राजेश नागर ऊपर तक यह संदेश पहुंचाने में कामयाब भी हो सकते हैं कि सांसद और बड़खल विधायक पार्टी के कामों में रुचि नहीं ले रहे हैं।

भाजपा का कोर वोट बैंक कहे जाने वाले वैश्य समुदाय से आने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल भी किशनपाल गूजर को चुनौती पेश कर रहे हैं। 2019 विधानसभा चुनाव में विपुल गोयल ने तिगांव में राजेश नागर को खुल कर समर्थन दिया था। यह किशन पाल के खुद को एकमात्र गूजर नेता के रूप में स्थापित करने की उनकी मुहिम में रोड़ा था। इन्हीं सब के कारण किशन पाल गूजर राजेश नागर की भी राजनीतिक जड़ें खोदने में लग गए तो राजेश नागर भी तिगांव विधानसभा क्षेत्र में किशनपाल के वोटों में सेंध लगाते रहे। वजीरपुर में डंपिंग यार्ड के मुद्दे पर राजेश नागर ने पहले ही कार्यक्रम कर किशनपाल को पटखनी दी थी।

राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि भाजपा की केंद्रीय राजनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है इसका असर फरीदाबाद लोकसभा सीट पर भी पड़ सकता है। जिस तरह केंद्र में मोदी का कद घट रहा है और संघ नितिन गडकरी को प्रमोट कर रहा है उससे लगता है कि अगले लोकसभा चुनाव में टिकट बांटने में मोदी की ज्यादा नहीं चलेगी। वैसे भी किशन पाल गूजर भी मानते हैं कि जनता ने उन्हें नहीं मोदी को वोट दिया था। यानी किशनपाल की जीत मोदी की छवि पर ज्यादा निर्भर करती है जो अब जनता में लगातार गिर रही है। यदि गडकरी खेमा भारी पड़ा तो विपुल गोयल के हाथ बाजी लग सकती है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार राजेश नागर और विपुल गोयल दोनों राजनीतिक दोस्त हैं और किशनपाल गूजर को सबक सिखाने के लिए ऐन लोकसभा चुनाव से पहले एक हुए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए इन दोनों में मैच फिक्स है। ये दोनों भले ही टिकट नहीं पा सकें लेकिन इन दोनों के मिलने से किशनपाल के हारने का मजबूत समीकरण बन रहा है।

पुलिस आयुक्त राकेश आर्य ने मंत्री का हुक्म बजाया, मुस्तैद पुलिसकर्मियों को लाइन का रास्ता दिखाया

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। सुशासन का ढिंढोरा पीटने वाले मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के शासन में 'कर्मठ' पुलिस आयुक्त राकेश आर्य ने केंद्रीय मंत्री के सजातीय अपराधी से पूछताछ करने की 'गुस्ताखी' करने वाले जांच अधिकारी को पुलिस लाइन भेज दिया। वह भी तब जब चौकी बुलाए जाने से नाराज होकर अपराधी के भाई ने जांच अधिकारी से अभ्रदता की और खुड्डे लाइन लगाने की धमकी दी थी। धमकी दिए जाने के एक घंटे के भीतर ही पुलिस आयुक्त ने दोनों पुलिसकिर्मयों को लाइन जाने का हुक्म सुनाकर उनकी 'मुस्तैदी' का इनाम दे दिया।

कहने को पुलिस आयुक्त मातहतों पर अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने का दबाव डालते हैं। थानों में दर्ज हुई एफआईआर और उनके तहत गिरफ्तारी व चार्जशीट पेश किए जाने का रिकॉर्ड समीक्षा बैठकों में बारीकी से जांचते हैं।

मंत्री के आदेश को ही तरजीह दी सीपी राकेश आर्य ने

यदि किसी थाने में अपराधियों की गिरफ्तारी कम हो तो कड़ी फटकार भी लगाते हैं। ऐसे में सभी थाना-चौकी इंचार्ज अपने यहां दर्ज केस के मुजरिमों को पकड़ने और जल्द जांच पूरी कर चार्जशीट पेश करने में जुटे रहते हैं। लेकिन अनखीर चौकी इंचार्ज ओमप्रकाश देसवाल और आईओ सुनील कुमार को मुस्तैदी महंगी पड़ी।

सुनील कुमार केंद्रीय मंत्री के गांव मेवला महाराजपुर निवासी सोनू बैंसला को मारपीट के केस में तलाश रहे थे। सोनू बैंसला उसके साथी आकाश बैंसला और केशव ने बीटेक छात्र प्रिंस की कार इसलिए तोड़ डाली थी कि उसने सोनू की स्कॉर्पियो को पास नहीं दिया था।

घटना 12 अगस्त 2023 की रात करीब साढ़े दस बजे की है। पीर मोहल्ला तिगांव निवासी प्रिंस, साथी छात्र पुनीत व सत्या के साथ मानव रचना यूनिवर्सिटी से सेक्टर 46 आ रहा था। सेक्टर 21 सी में कपिल विहार के पास अचानक एक स्कॉर्पियो उनकी कार के आगे आकर रुक गई। स्कॉर्पियो से सोनू बैंसला डंडा लेकर उतरा और उनकी कार का साइड मिरर तोड़ दिया। प्रिंस बाहर निकला तो सोनू ने उसके सिर पर डंडा मारा, भौं पर चोट लगने से प्रिंस लहूलुहान हो गया।

सोनू ने धमकी दी कि हम यहां के चौधरी हैं तुम्हारी इतनी हिम्मत की तुमने हमें साइड नहीं दी। प्रिंस को बचाने आए दोस्त पुनीत और सत्या को भी सोनू, साथी आकाश व पुनीत ने डंडों से पीट दिया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर 14 अगस्त को धारा 323, 506, 427 और 34 के तहत केस दर्ज कर पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही थी। जांच कर रहे आईओ सुनील कुमार ने पूछताछ के लिए सोनू को कई बार नोटिस दिया लेकिन वह आया ही नहीं।

शेष पेज दो पर